जैविक खेती के परंपरागत बीजों का संरक्षण जरूरी

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

कट्स द्वारा संचालित प्रोस्कोप परियोजना के तहत पुरावतो का अकोला में बीज बैंक कार्यशाला आयोजित की गई। गौरव चतुर्वेदी, कार्यक्रम सहायक, कट्स भीलवाड़ा ने बताया कि बीज बैंक का उद्देश जैविक बीजों का संरक्षण करना एवं किसानों तक जैविक बीज उपलब्ध करवाना है। कट्स के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने स्थापित बीज बैंक एवं केचुआ खाद इकाई का अवलोकन किया एवं प्रयासों की सराहना की । राजदीप पारीक, कार्यक्रम अधिकारी, कट्स कार्ट ने उन्नत बीज बनाने की विधियां बताई एवं बताया कि किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए जैविक खेती को अपनाकर जैविक खाद, बीज

और जैविक कीटनाशक अपने खेत पर बनाकर बाजार की अपनी निर्भरता को कम कर सकता है। साथ ही उन्होंने बताया कि किसान बाजार में जैविक बीज की उपलब्धता नही है एवं जैविक बीज खत्म होते जा रहे है, किसान को जैविक बीज उपलब्ध हो एवं जैविक बीज के संरक्षण के लिए ही बीज बैंक की स्थापना की गई है, किसान बीज बैंक को नियमित रूप से संचालित करे एवं आवश्यक बीज को बीज बैंक से ले और वापस बीज की मात्रा दोगुनी कर बीज बैंक में जमा कराए, इससे जैविक बीजों का संरक्षण भी होगा और जैविक किसान को निशुल्क बीज भी मिलेगा। विशाल लालवानी, कार्यक्रम अधिकारी, कट्स ने बताया कि किसान एफपीओ से जुड़कर कई लाभ प्राप्त कर सकते है, किसान एफपीओ के माध्यम से बड़े स्तर पर अपनी फसल को बेच कर मुनाफा कमा सकते है। साथ ही किसान एफ पी ओ से जुड़ कर बड़े स्तर पर व्यापार कर सकते हैं जिसका फायदा सभी सदस्य किसान को होगा। हेमंत सिंह सिसोदिया, कार्यक्रम सहायक, कट्स भीलवाड़ा एवं जैविक किसान रामेश्वर लाल बलाई, हरिशंकर व्यास, हीरा लाल गाडरी, सुखदेव जाट, मोहम्द हुसैन, सांवर सुथार, ने भाग लिया।

जैविक बीज बैंक की होगी स्थापना

निवाणा. कट्स जयपुर व आत्मा संस्थान जगमालपुरा के तत्वावधान में बाढ़ देवथला गांव में जैविक बीज बैंक स्थापित किया जाएगा। यह निर्णय कनिनवालों की ढाणी में आयोजित किसानों की एक दिवसीय कार्यशाला में किया। इस दौरान परंपरागत बीजों को सुरक्षित करने के लिए विचार विर्मश किया। इस दौरान कट्स जयपुर की कार्यक्रम अधिकारी निमिषा शर्मा, संस्था के विनोदकुमार शर्मा, कृषि विशेषज्ञ करण सिंह शेखावत ने बीज बैंक में बीजों का चयन व रखरखाव के बारे में जानकारी दी।

सामुदायिक पारंपरिक जैविक बीज बैंक को किया स्थापित

शेखावाटी संकल्प

दौसा (मनीष रांझणा)। कट्स इंटरनेशनल जयपुर एवं स्वीडश सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के संयुक्त तत्वावधान में चल रहीं प्रो स्कोप परियोजना के तहत सामुदायिक पारंपरिक बीज बैंक की

स्थापना, प्रस्तावित आदर्श जैविक जिलें के लालसोट ब्लोक के ग्राम थलोज में किया गया। जिसमें वहां पर पोषण वाटिकाओं का अवलोकन करतें हुएं परियोजना अधिकारी निमिषा गॉड ने सामुदायिक पारंपरिक बीज बैंक की स्थापना की और उन्होंनें कहां कि जिस प्रकार से पोषण वाटिका ओं में यहां की महिलाओं ने जो रुचि दिखाई हैं उसकों देखतें हुएं इस बीज बैंक की स्थापना की गई हैं। इससे आनें वालें समय में इस गांव को जैविक बनानें के लिए इस बैंक की अहम भूमिका होगीं। इसमें पारंपरिक बीजों का संग्रह किया जाएगा और किसानों को निशुल्क वितरण किया जाएगा।

समुदाय आधारित बीज बैंक इकाई के गठन के लिए बैठक आयोजित

भीलवाड़ा। कट्स मानव विकास केंद्र द्वारा समुदाय आधारित बीज बैंक इकाई बैठक का आयोजन आदर्श जैविक गांव धाकड़खेड़ी तहसील मांडलगढ़ में किया गया। गौरव चतुर्वेदी, कार्यक्रम सहयोगी कट्स संस्थान ने बताया कि जैविक मॉडल आदर्श जैविक गांव की परिकल्पना में मुख्य योगदान जैविक बीजों का होता है। गोवर्धन लाल पारीक, कार्यक्रम सहायक ने बताया कि जैविक बीज प्रणाली की व्यवस्था करना सबसे जरूरी मुद्दा है किसान जैविक बीज के लिए बाजार की ओर रुकना करें एवं जैविक बीज बैंक का मुख्य कारण जैविक बीजों को परंपरागत तरीके से सुरक्षित रखते हैं व आपस में एक दूसरे को आवश्यकतानुसार बीच देते हैं व उन बीज के द्वारा उत्पादन होने पर दोगुनी मात्रा में उस बीज को बीज बैंक में जमा कराना है, बैठक में राधा देवी धाकड़, सरपंच एवं मांगी लाल धाकड़, जैविक किसान जमाना लाल धाकड़, गोकुल धाकड़ मौजूद रहे।

कट्स इंटरनेशनल जयपुर व एचजीवीएस दौसा के तत्वावधान में निःशुल्क बीज वितरण

द पुलिस पोस्ट

लालसोट (दौसा)। जिले में प्रथम जैविक बीज संग्रहालय का विगत तीन वर्ष पूर्व गठन किया गया था जो जैविक कृषि पर कार्य करने वाले किसानों का एक समूह बनाकर के उनको निःशुल्क बीज उपलब्ध कराकर जैविक कृषि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका इस संग्रहालय की रही। जैविक खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों के चलते प्रोस्कोप परियोजना के तहत जैविक बीज संग्रहालय खटवा पर बुधवार को बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों से चर्चा की गई कि इस संग्रहालय को विस्तृत कैसे किया जाए। जिसमें बिलौना कला के सहायक कृषि अधिकारी राजेंद्र शर्मा ने बताया कि इस बीज संग्रहालय से बहुत सारे किसानों का भला होना संभव है, लेकिन

लालसोट के खटवा ग्राम में कृषकों को जैविक खेती के बारे में जानकारी देते हुए।

सकारात्मक सोच के साथ सभी इस संग्रहालय को बढ़ाने का कार्य करें। संस्था निदेशक ओ पी पारीक ने बताया कि इस किसान संग्रहालय से सभी सब्जियों के बीज प्राप्त कर सकते हैं और जब उनके उत्पादन आए तब उन्हें दुगना बीज वापिस इस संग्रहालय में जमा कराना होगा। उन्होंने कहा कि निसंदेह ही आने वाले 5 वर्षों के अंदर पूरे जिले में ही नहीं बल्कि पूरे राज्य में इस बीज संग्रहालय का अपना नाम होगा। साथ ही जैविक कृषि करने वाले दूरदराज के किसान भी इस संग्रहालय से लाभ प्राप्त कर सकेंगे। पूर्व सरपंच श्री नारायण सैनी ने कहा कि यह बीज संग्रहालय छोटे लघु सीमांत कृषकों के लिए और भी ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। लिहाजा हमारा बहुत सारा पैसा बीज पर खर्च होता है जिसे बचाया जा सकता है। अंत में संस्था निदेशक ओ पी पारीक ने बताया कि यह नेक कार्य आज एक गांव से प्रारंभ करके कुछ ही समय बाद पूरे जिले में जहां-जहां भी इसकी आवश्यकता पड़ेगी तो निश्चित तौर पर वहां वहां हम किसानों के सहयोग से यह पारंपरिक बीज संग्रहालय स्थापित करेंगे।

किसानो नें परम्परागत बीज रखरखाव का तरीका सीखा

बांसवाड़ा (हैलो राजस्थान पत्रिका)। कट्स इंटरनेषनल द्वारा चलाई जा रही प्रोस्कोप परियोजना के तहत पंचायत समिति घाटोल की ग्राम पंचायत सैनावासा के गांव शंकरपुरा में बीज रखरखाव के तरीको के बारे मे जागरूक किया गया। इस अवसर पर कट्स जयपुर के कार्यक्रम अधिकारी राजदीप पारीक ने किसानों को बताया कि हमारे पुर्वज बीज परम्परागत तरीके से सहेजकर रखते थे लेकिन आज हम बाजार पर निर्भर होते जा रहे है। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बीज का परम्परागत तरीके से रखरखाव कर बीज बैंक स्थापित

करने होंगे ताकि जरूरतमंद किसान बीज का आदान-प्रदान करने की पुरानी परंपरा कायम रख सके।

कट्स के कार्यक्रम अधिकारी मदनलाल कीर ने संस्थागत परिचय देते हुए कार्यषाला के उद्देष्य पर प्रकाष डाला। शंकरपुरा के पंकज बामणिया, बीजोर के विमलप्रकाष निनामा, नें भी विचार व्यक्त किये।

बैठक में जागरूक किसान सहित 40 सहभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन चित्रेष सोनी ने किया व आभार उदयलाल गायरी ने जताया।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क कर सकते है: मदन लाल कीर, 9829141129

बच्चों ने जैविक गार्डन व किसानों ने परंपरागत बीज रखरखाव का तरीका सीखा

कांठल की आवाज । चित्तौड़गढ़

बन्शीलाल धाकड़ राजपुरा

चित्तौड़गढ़ जैविक गार्डन और परंपरागत बीज रखरखाव का तरीका कट्स इंटरनेशनल द्वारा प्रो स्कोप परियोजना के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कल्याणपुरा ग्राम पंचायत केवल पूरा में जैविक गार्डन विकसित करने और वहीं कन्नौज में बीज रखरखाव के तरीकों के लिए किसानों को बीज बैंक स्थापित करने के लिए जागरूक किया कट्स जयपुर से राजदीप पारीक ने किसानों को बताया कि बीज बैंक तैयार कर रखरखाव रखने व बीज आदान प्रदान करने की प्रक्रिया के लिए परंपरागत पुरानी पद्धति पर बीज का भंडारण रखने से जैविक बच्चों को पुनर्जीवित हो सकेंगे कट्स मानव विकास केंद्र चित्तौड़गढ़ मदन गिरी गोस्वामी ने जैविक गार्डन में सब्जियां एवं फल लगाने के तरीकों एवं उसका उपयोग मिड-डे-मील बच्चों के स्कूल में ही उपयोग हो जिससे बच्चे जैविक व रसायन वस्तुओं का उपयोग करने में फर्क समझ पाए सभी बच्चे जैविक खेती करने के तरीकों के बारे में समझे। इसी के साथ जैविक खेती करने के लिए प्रोजेक्टर के माध्यम से राजीव जी दीक्षित जैविक खेती आधारित फिल्म दिखाई एवं जैविक गार्डन विद्यालय मैं विकसित करने के लिए जैविक क्लब बनाया।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कल्याणपुरा से हेमलता शर्मा वार्डन श्रीमती वीणा शर्मा कट्स चित्तौड़गढ़ से कार्यक्रम सहायक गायत्री मोड गोवर्धन लाल पारीक ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।